रजरप्पा पर्यटकीय विकास परियोजना

रामगढ़ जिलान्तर्गत रजरप्पा स्थित माँ छिन्नमस्तिका मंदिर एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। उक्त मंदिर की रचना का प्रारूप तांत्रिक शैली में किया गया है। यह मंदिर दामोदर एवं भैरवी नदी के संगम स्थल पर स्थित है। झारखण्ड सरकार सम्पूर्ण रजरप्पा क्षेत्र को एक Model Tourist Destination के रूप में विकसित करने को प्रयासरत है।

इस परियोजना का मास्टर प्लान को तैयार कर माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है, जिस पर माननीय मुख्यमंत्री की स्वीकृति प्राप्त है। विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (Detailed Project Report) दो भागों में बनाया गया है जिसका विवरण निम्नांकित है :–

फेज–1

भाग एक में निम्नलिखित घटक (component) सम्मिलित है – प्रवेश द्वार, बस टर्मिनल, पार्किंग, शौचालय, प्रसाद स्टॉल, पुल (Pedestrian Bridge)। इस भाग की कुल लागत ₹ 20.90 करोड़ है, जिसका तकनीकि स्वीकृति JSBCCL से प्राप्त हो चुका है। इसकी प्रशासनिक स्वीकृति हेतु संचिका विभागीय मंत्री के समक्ष उपस्थापित की जा चुकी है। योजना की प्रशासनिक स्वीकृति राज योजना प्राधिकृत समिति से प्राप्त किया जाना है। फेज–1 के लिए कुल रकबा 11.50 एकड़ जंगल–झाड़ी भूमि को गोला में चिन्हित किया जा चुका है। इस भूमि के एवज में Compensatory Aforestation के लिए जिला प्रशासन के द्वारा भूमि चिन्हित किया जा चुका है। इस भूमि का सर्वेक्षण के पश्चात् एवं GPS Co-ordinates प्राप्त करने के उपरान्त Forest Clearance हेतु ऑनलाइन आवेदन दिया जायेगा।

फेज–2

फेज–2 में निम्नलिखित घटक (component) सम्मिलित है – स्नानगार, धर्मशाला (Dormitory), Food Court, Cooking Stall, बलि स्थल, River Front Development, अनुष्ठान मंडप, सूचना केन्द्र, Eco Park, उत्सव मैदान, सम्पूर्ण आधारभूत संरचनाएँ। इस भाग की कुल लागत ₹ 64.50 करोड़ है, जिसका तकनीकि स्वीकृति JSBCCL द्वारा दी जानी है। भाग दो के लिए कुल रकबा 28 एकड़ जंगल–झाड़ी भूमि को मौजा–गोला एवं 5.5 एकड़ रैयत भूमि मौजा–चितरपुर में चिन्हित किया गया है।

इस परियोजना को ADB द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु एक Draft PPR विभाग में प्रस्तुत किया गया है। रैयती भूमि की अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ है।

———